डीआरडीओ समाचार

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

https://www.drdo.gov.in/samachar

ISSN: 0971-4405

अप्रैल 2024 खण्ड 36 अंक 04

डीआरडीओ द्वारा मिशन दिव्यास्त्र का सफलतापूर्वक संचालन

डीआरडीओ समाचार के ई–संस्करण तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

संरक्षक: डॉ के नागेश्वर राव
मुख्य संपादक: सुधांशु भूषण
संपादक: दीप्ति अरोरा
सहायक संपादक: धर्म वीर
अनुवादक: अनुराग कश्यप

प्रकाशन का 36वां वर्ष
अप्रैल 2024 खण्ड 36 अंक 04

हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ गणेश एस धोले, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
चांदीपुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
		श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई)
बेंगलूरु	:	श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई)
		श्रीमती एम आर भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स)
		श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर)
		डॉ जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक)
		डॉ संचिता सिल तथा डॉ सुधीर एस काम्बले, रक्षा जैव प्रौद्योगिकी और विद्युत चिकित्सकीय प्रयोगशाला (डेबेल)
		डॉ वी सेंथिल, गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई)
		श्री वेंकटश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई)
		सुश्री मीता जन, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ पाल दिनेश कुमार, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशला (टीबीआरएल)
		डॉ अनुजा कुमारी, रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई)
चेन्नई	:	श्री के अंबाझगन, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील)
		श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	डॉ दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास)
		श्री संतोष कुमार चौधरी, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर)
		श्रीमति अरुण कमल, डीपीए आर ओ एंड एम, डीआरडीओ मुख्यालय
		श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास)
		डॉ सुजाता दास, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा)
		श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी)
		डॉ रुपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव–ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल)
		श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल)
		डॉ मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
जगदलपुर	:	श्री खिलावन सिंह, एसएफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री डी के त्रिपाठी, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	डॉ मोहीत कटियार, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लता एम एम, नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	ग्रुप कैप्टन आर के मंशारमानी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ एम पालमुरुगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल)
नासिक	:	श्री आशुतोष शर्मा, ऊर्जस्वी पदार्थ उन्नत केंद्र (एसीईएम)
पुणे	:	श्री अजय के पांडे, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई)
		डॉ विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी)
		डॉ गणेश शंकर डोम्बे, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	डॉ के एस नखुरु, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)

इस अंक में

मुख्य लेख 4

एलएटीओटी 5

नवोन्मेष 6

अवसंरचना विकास 7

घटनाक्रम 8

मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप 19

कार्मिक समाचार 21

खेलकूद क्रियाकलाप 22

निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम 23

अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें:

director.desidoc@gov.in; drdonl.desidoc@gov.in

दूरभाष: 011-23902403, 23902472, फैक्स: 011-23819151

"मैं असफल नही हुआ हूँ, मैंने 10,000 ऐसे तरीके ढूंढ़े हैं जो काम नहीं करते।" - थॉमस एडिसन

डीआरडीओ द्वारा मिशन दिव्यास्त्र का सफलतापूर्वक संचालन

स्वदेशी रूप से विकसित अग्नि-5 मिसाइल ने एमआईआरवी के साथ पहली उड़ान भरी

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने स्वदेशी रूप से विकसित अग्नि–5 मिसाइल का पहला सफल उड़ान परीक्षण मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री–एंट्री व्हीकल (एमआईआरवी) तकनीक के साथ किया। इस उड़ान परीक्षण को 'मिशन दिव्यास्त्र' नाम दिया गया, जो 11 मार्च 2024 को ओडिशा के डॉ एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से संचालित किया गया। विभिन्न टेलीमेट्री और रडार स्टेशनों द्वारा मल्टीपल री–एंट्री व्हीकल को ट्रैक और मॉनिटर किया। इस मिशन ने निर्धारित मापदंडों को पूरा किया।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इस जटिल मिशन के संचालन में भाग लेने वाले डीआरडीओ वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, मिशन दिव्यास्त्र की सफलता के लिए हमें हमारे डीआरडीओ वैज्ञानिकों पर गर्व है, जो मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री–एंट्री व्हीकल (एमआईआरवी) तकनीक के साथ स्वदेशी रूप से विकसित अग्नि–5 मिसाइलों का पहला उड़ान परीक्षण है।

माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने भी इसे असाधारण सफलता बताते हुए सम्मिलित वैज्ञानिकों और पूरी टीम को बधाई दी।

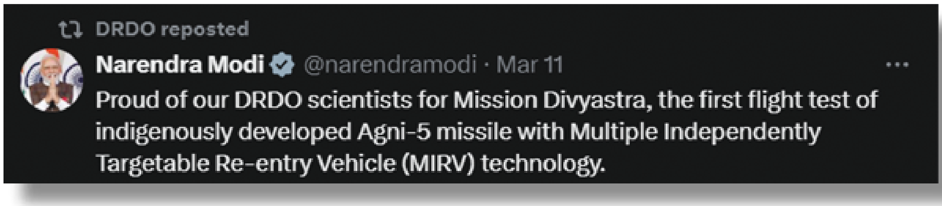

डीआरडीओ ने महाराष्ट्र एमएसएमई डिफेंस एक्सपो 2024 के दौरान उद्योगों को 23 एलएटीओटी सौंपे

डोमेन में इलेक्ट्रॉनिक्स, लेजर प्रौद्योगिकी, लड़ाकू वाहन, नौसेना प्रणालियाँ और वैमानिकी शामिल हैं

उद्योग जगत के साथ सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देने के लिए, डीआरडीओ ने 25 फरवरी 2024 को पुणे में आयोजित महाराष्ट्र एमएसएमई रक्षा प्रदर्शनी 2024 के दौरान एक डीआरडीओ–उद्योग सम्मेलन का आयोजन किया। इस बैठक का उद्देश्य उद्योगों, विशेष रूप से एमएसएमई और स्टार्ट–अप्स को डीआरडीओ की विभिन्न उद्योग–अनुकूल पहलों और नीतियों के बारे में अवगत कराना, अद्यतन कराना और साथ ही उद्योग जगत की चिंताओं को दूर करना था।

बैठक के दौरान, डीआरडीओ ने डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी (आरएंडडी) एवं अध्यक्ष डीआरडीओ और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में 22 उद्योगों को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए 23 लाइसेंसिंग समझौते (एलएटीओटी) प्रदान किए।

हस्तांतरित प्रौद्योगिकियों में इलेक्ट्रॉनिक्स, लेजर प्रौद्योगिकी, अर्मामेंट, जीवन विज्ञान, सामग्री विज्ञान, लड़ाकू वाहन, नौसेना प्रणाली और वैमानिकी के क्षेत्र शामिल हैं। इनमें एलसीए तेजस के लिए कार्बन/कार्बन विमान ब्रेक का निर्माण, 100 मीटर इन्फैंट्री फुट फ्लोटिंग ब्रिज, यूबीजीएल के लिए 40 मिमी उच्च विस्फोटक कार्मिक विरोधी (एचईएपी) ग्रेनेड, एमबीटी अर्जुन मार्क–1ए के लिए 70टी टैंक ट्रांसपोर्टर का पूर्ण ट्रेलर, एक्सपेंडेबल मोबाइल शेल्टर, सोलर हीटेड शेल्टर, एनएमआर–सुपर–कैपेसिटर, एलआरएफ (डब्ल्यूएचएचटीआई) के साथ हैंड–हेल्ड थर्मल इमेजर का हथियारीकरण, और हाई प्रेशर वॉटर मिस्ट फायर सप्रेशन प्रणाली (एचपी डब्लूएमएफएसएस) शामिल है। डीआरडीओ की इन प्रौद्योगिकियों पर आधारित उत्पाद रक्षा विनिर्माण क्षेत्र और रक्षा में आत्मनिर्भरता को और बढ़ावा देंगे। डीआरडीओ ने नौ उद्योग भागीदारों को सिस्टम फॉर एडवांस मैन्युफैक्चरिंग असेसमेंट एंड रेटिंग (समर) मूल्यांकन प्रमाणपत्र भी प्रदान किए।

रक्षा विनिर्माण उद्यमों की दक्षता को मापने के लिए समर एक मानक के रूप में कार्य करता है। कार्यक्रम के दौरान समर का एक संक्षिप्त विवरण भी प्रदान किया गया।

उद्योग भागीदारों को संबोधित करते हुए, डॉ कामत ने आत्मनिर्भर भारत की प्राप्ति के लिए भारतीय रक्षा उद्योगों के विकास की दिशा में सभी प्रकार की प्रौद्योगिकी सहायता प्रदान करने की डीआरडीओ की प्रतिबद्धता को दोहराया।

उन्होंने कहा कि डीआरडीओ की हालिया सफलता ने ना केवल देश को रक्षा प्रौद्योगिकियों पर अधिक आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में उद्योगों को अपार अवसर भी प्रदान किए हैं। उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि उद्योग अमूल्य भागीदार हैं, और यह भारतीय उद्योगों के लिए सरकार की नवीनतम पहलों और नीतियों का लाभ उठाकर देश को रक्षा विनिर्माण का केंद्र बनाने का एक उपयुक्त समय है। उद्योगों को उनकी चुनौतियों, अपेक्षाओं और आवश्यक सहायता को व्यक्त करने का अवसर प्रदान करने के लिए एक ओपन हाउस सत्र भी आयोजित किया गया ताकि उद्योगों की सुविधा के लिए रूपरेखा को और परिष्कृत किया जा सके और उद्योग को सुगम बनाया जा सके।

वीएसएचओआरएडीएस मिसाइल का सफल परीक्षण

बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (वीएसएचओआरएडीएस) मिसाइल का 28–29 फरवरी 2024 के दौरान ओडिशा के तट पर उच्च गति वाले मानवरहित हवाई लक्ष्यों के विरुद्ध विभिन्न अवरोध परिदृश्यों के तहत सफल परीक्षण किया गया।

डीएलजे और समीर, कोलकाता के बीच सहयोग

रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर (डीएलजे) और प्रायोगिक सूक्ष्मतरंग इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी तथा अनुसंधान संस्था (इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय), कोलकाता ने एक रणनीतिक साझेदारी की। इस साझेदारी का उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहल के तहत देश के लिए अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों का निर्माण करना है।

जोधपुर में ग्रास प्रणाली का क्षेत्र परीक्षण

रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर ने फरवरी 2024 के दौरान महाजन फील्ड फायरिंग रेंज (एमएफएफआर) में गामा रेडिएशन एरियल सर्विलांस सिस्टम (ग्रास) का क्षेत्र परीक्षण सफलतापूर्वक किया।

माननीय रक्षा मंत्री द्वारा डीटीटीसी, लखनऊ का उद्घाटन

रक्षा प्रौद्योगिकी एवं परीक्षण केंद्र (डीटीटीसी), लखनऊ का उद्घाटन 11 मार्च 2024 को उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में माननीय रक्षा मंत्री द्वारा किया गया। डीटीटीसी उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे (यूपी डीआईसी) का एक हिस्सा है और यह उद्योगों को वैज्ञानिक एवं तकनीकी परामर्श, कौशल विकास, परीक्षण और नई प्रौद्योगिकियों के उद्भवन में सहायता करेगा।

गलियारे की स्थापना आत्मनिर्भरता प्राप्त करने और 'मेक इन इंडिया' के लक्ष्य को पूरा करने के लिए की गई है।

डीएलजे में नौसेनिक पोत के लिए वीआर-आधारित अनुप्रयोग—विरांश केंद्र का उद्घाटन

रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर (डीएलजे) ने शत्रु आरएफ साधक मिसाइलों को भ्रमित करने, लक्ष्य से भटकाने और लुभाने के लिए विभिन्न चैफ रॉकेटों का वितरण करके वास्तविक युद्ध परिदृश्यों का अनुकरण करने के लिए तथा नौसेना के जहाजों की रक्षा के लिए 'नौसेना पोत के लिए वर्चुअल रियलिटी आधारित चैफ अनुप्रयोग' (विरांश) केंद्र की स्थापना की है।

'द वर्चुअल रियलिटी–आधारित नवल चैफ डिप्लॉयमेंट विजुअलाइजेशन एंड ट्रेनिंग कंसोल' का प्रोटोटाइप वीरांश केंद्र में स्थापित किया गया है। यह भविष्य के तकनीकी विकास से संबंधित अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) के लिए एक दृश्यावलोकन और सिमुलेशन उपकरण के रूप में काम करेगा। इस सुविधा का उद्घाटन डीएलजे में डॉ वाई श्रीनिवास राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएसएंडएम), द्वारा 04 मार्च 2024 को किया गया।

सुविधा की विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

- वास्तविक युद्ध का दृश्यीकरण
- विविध चैफ रॉकेटों की तैनाती अध्ययन और उनका निष्पादन विश्लेषण
- मिशन का विफलता विश्लेषण
- कवच चैफ डिकॉय तैनाती प्रणाली पर प्रशिक्षण।

डीआरडीओ ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 28 फरवरी 2024 को अपनी प्रयोगशालाओं और प्रतिष्ठानों में व्याख्यानों, भाषण और ओपन हाउस गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। रक्षा विज्ञान फोरम द्वारा नई दिल्ली के डीआरडीओ भवन में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी (आरएंडडी) एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने समारोह की अध्यक्षता की। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

सर चंद्रशेखर वेंकट रमन द्वारा 1928 में 'रमन प्रभाव' की खोज के उपलक्ष्य में हर साल 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इसके लिए 1930 में उन्हें नोबेल पुरस्कार भी दिया गया। इस दिन को मनाने का उद्देश्य वैज्ञानिक स्वभाव को बढ़ावा देना, विज्ञान को लोकप्रिय बनाना, जन–मानस में वैज्ञानिक स्वभाव जागृत कर नवीन गतिविधियों को प्रोत्साहित करना और एक सकारात्मक वैज्ञानिक अनुसंधान संस्कृति का निर्माण करना है।

इस अवसर पर, अध्यक्ष, डीआरडीओ ने वैज्ञानिक समुदाय को बधाई दी और देश को विकसित भारत के रूप में बदलने की प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी दृष्टि के अनुसार इस वर्ष के विषयवस्तु की प्रासंगिकता के बारे में चर्चा की।

प्रोफेसर सूद द्वारा "क्रैकिंग एन ऐज–ओल्ड थर्मोडायनमिक पजल इन माइक्रो हीट इंजन" विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया गया। डॉ एमए मलूक मोहम्मद, सह–संस्थापक और उपाध्यक्ष रिसर्च मेसर्स ट्विन हेल्थ, चेन्नई द्वारा 'डिजिटल ट्विन का उपयोग करके परिशुद्ध स्वास्थ्य प्रबंधन' पर एक व्याख्यान भी दिया गया। उन्होंने बताया कि डिजिटल ट्विन तकनीक का उपयोग कैसे क्रॉनिक मेटाबॉलिक रोगों (दीर्घकालिक चयापचय रोग) से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए फायदेमंद हो सकता है।

विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं/प्रतिष्ठानों से कुल 39 शोधपत्र पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से तीन को प्रस्तुतिकरण के लिए चुना गया। एआरडीई, पुणे से श्री नोमिला आदिनारायण प्रशांत, वैज्ञानिक 'डी'; चेस, हैदराबाद से डॉ अमित प्रताप, वैज्ञानिक 'एफ'; और सीएफईईएस, दिल्ली से डॉ पंकज कुमार शर्मा, वैज्ञानिक 'एफ' ने अपने–अपने कार्य क्षेत्रों पर व्याख्यान दिये और उन्हें मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया।

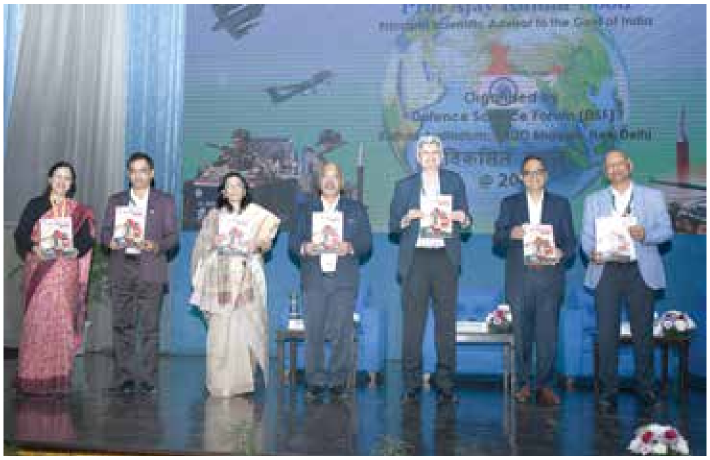

कार्यक्रम के दौरान डीआरडीओ अध्यक्ष द्वारा डीआरडीओ गीत का विमोचन किया गया और गीत के लेखक और संगीतकार को पुरस्कार प्रदान किए गए। डॉ ए के चक्रवर्ती, पूर्व निदेशक, डीआरडीएल, हैदराबाद द्वारा लिखित एक मोनोग्राफ 'इनोवेटिव प्रेक्टिस इन प्रोडक्ट डवलपमेंट थ्रु दी आईस ऑफ प्रोडक्ट डवलपर' का विमोचन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। गणमान्य व्यक्तियों ने इस अवसर पर डीआरडीओ मुख्यालय की इन–हाउस पत्रिका रक्षा अनुसंधान भारती के 'जय विज्ञान तकनीकी विशेषांक (अंक 18)' का भी विमोचन किया।

डीआरडीओ की निम्नलिखित प्रयोगशालाओं ने भी अपने–अपने स्थानों पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2024 मनाया:

एसीईएम, नासिक

ऊर्जस्वी पदार्थ उन्नत केंद्र (एसीईएम), नासिक ने 27 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। इस अवसर पर डॉ ए सुभानंद राव पूर्व डीएस, सीसी (आर एंड डी–एयरो, सेवानिवृत्त) को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। श्री टी वी जगदीश्वर राव, वैज्ञानिक 'जी' एवं जीएम, एसीईएम, और श्री आरएस पाटिल, संयुक्त निदेशक ने इस दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। श्री राव ने अपने संबोधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के कार्यान्वयन के महत्व पर बल दिया और युवा वैज्ञानिकों को अनुसंधान करने, नवाचार करने और वैज्ञानिक दृढ़ता एवं उत्साह विकसित करने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व्याख्यान श्री विनय सीरम वैज्ञानिक 'सी' द्वारा "उप–स्केल ठोस रॉकेट मोटरों की स्वचालित ज्वलन दर गणना के लिए सुसंगत परिभाषाएँ" और श्री आकाश विश्वास, वैज्ञानिक 'बी' द्वारा "न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करके अंतरिक्ष मौसम पूर्वानुमान की संभावनाओं का पता लगाना" विषय पर प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि डॉ राव द्वारा "डीआरडीओ में ठोस प्रणोदक प्रौद्योगिकी का विकास" विषय पर मुख्य वक्तव्य दिया गया।

एएसएल, हैदराबाद

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल) ने 28 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। श्री बी वी पापाराव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एएसएल ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया और सभा को संबोधित किया। डॉ गौतम चट्टोपाध्याय, वरिष्ठ अनुसंधान वैज्ञानिक, नासा–जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी, कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ने 'ब्रह्मांड के रहस्यों को उजागर करने के लिए नासा प्रौद्योगिकी' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। डॉ आई किंगस्टोन एलजे, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'बड़े रॉकेट मोटरों के लिए पायरो ज्वलनकर्ताओं के जीवन को बढ़ाने के लिए गैर–एसीआर प्रणोदक का विकास' विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व्याख्यान प्रस्तुत किया। अपने व्याख्यान में उन्होंने गैर–एसीआर प्रणोदक के विकास की पृष्ठभूमि, विभिन्न चुनौतियों और संपूर्ण विकास

प्रक्रिया में प्राप्त उपलब्धियों को शामिल किया। श्री पापाराव ने व्याख्यानकर्ता को सिलिकॉन पदक और प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया।

कैब्स, बेंगलुरु

श्री रामांजनेयुलु नायडू, वैज्ञानिक 'डी', वायुवाहित प्रणाली केन्द्र (कैब्स), बेंगलुरु ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर 'वाहक विमान पर पृष्ठीय आरोहित ऐन्टेना पर टर्बुलेंस मॉडलिंग की बारीकियां' विषय पर एक व्याख्यान दिया। यह कार्यक्रम 28 फरवरी 2024 को आयोजित किया गया।

सीवीआरडीई, चेन्नई

संग्राम वाहन अनुसंधान तथा विकास संस्थापन (सीवीआरडीई), चेन्नई ने 28 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। डॉ के श्रीनिवासन, अपर निदेशक (प्रशासन) ने स्वागत भाषण दिया और श्री वी कविवल्लुवन, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'बख्तरबंद युद्ध वाहनों के लिए ट्रैक सिस्टम का डिजाइन और विकास' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। श्री जे राजेश कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, सीवीआरडीई ने सभा को संबोधित किया और वक्ता को विज्ञान दिवस पुरस्कार से सम्मानित किया। अपने भाषण के दौरान, निदेशक ने वैज्ञानिकों के अमूल्य योगदान को याद किया और राष्ट्र को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद प्रदान करने के लिए वैज्ञानिक जिज्ञासा की भावना को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर, प्रयोगशाला ने चेन्नई के द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव कॉलेज में एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन आईआईटी–मद्रास के रसायन विज्ञान विभाग के एमेरिटस प्रोफेसर डॉ एमवी रंगराजन द्वारा किया गया।

डेबेल, बेंगलुरु

रक्षा जैव प्रौद्योगिकी और विद्युत चिकित्सकीय प्रयोगशाला (डेबेल), बेंगलुरु में 28 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। श्री अमरजीत सिंह टाक, प्रमुख शोध माइक्रोस्कोपी समाधान, मेसर्स कार्ल जीस इंडिया, बेंगलुरु इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने 'सीइंग द अन–सीन: हाऊ माइक्रोस्कोपी शेप्स अवर वर्ल्ड एंड फ्यूचर' विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया। डॉ गीतिका, वैज्ञानिक 'ई' ने 'जिरकोनिया–आधारित एम्पेरोमेट्रिक ऑक्सीजन संसरः डिजाइन, विशेषताएँ और अनुप्रयोग' पर व्याख्यान दिया। डॉ टीएम कोट्रेश, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डेबेल ने डॉ सीवी रमन द्वारा फोटॉनों के प्रकीर्णन की खोज को याद किया।

डेसीडॉक, दिल्ली

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक) दिल्ली ने 28 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। श्री राहुल, वैज्ञानिक 'बी' ने 'क्वांटम कंप्यूटरों का विकासः सुरक्षा सीमाओं को फिर से परिभाषित करना' विषय पर एक व्याख्यान दिया। उन्होंने क्वांटम कंप्यूटिंग में निरंतर विकास और वर्तमान वेब सुरक्षा प्रतिमान के लिए इसके निहितार्थों पर बात की। उन्होंने डीआरडीओ पुस्तकालय स्वचालन सॉफ्टवेयर पर एक प्रदर्शन भी दिया। श्री राज कुमार, वैज्ञानिक 'ई' ने डिजिटल लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर पर एक प्रदर्शन दिया। निदेशक, डेसीडॉक, डॉ के नागेश्वर राव ने भी वैज्ञानिक क्षेत्र में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डेसीडॉक परिवार को संबोधित किया। उन्होंने श्री राहुल को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पदक और प्रशस्ति पत्र तथा श्री राज कुमार को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

डीजीआरई, चंडीगढ़

रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई), चंडीगढ़ ने 28 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो0 दुलाल पांडा, निदेशक, निपेर मोहाली और आईआईटी बॉम्बे के बायोसाइंसेज और बायोइंजीनियरिंग विभाग में अध्यक्ष–प्रोफेसर थे। उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डॉ पीके सत्यावली ने अपने संबोधन में प्रौद्योगिकी के अन्य क्षेत्रों में रमन प्रभाव के अनुप्रयोगों पर बल दिया। डॉ पांडा ने दवाओं के क्षेत्र में भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान का संक्षिप्त विवरण दिया और 'एंटी–माइक्रोबियल प्रतिरोध' पर एक व्याख्यान दिया। डॉ प्रतीक चतुर्वेदी, वैज्ञानिक 'ई' ने ''टाइम सीरीज इंटरफेरोमीट्रिक सिंथेटिक एपर्चर रडार (इनसार) और डीप लर्निंग एल्गोरिदम का मणिपुर के नोनी भूस्खलन की गतिकी की भविष्यवाणी में अनुप्रयोग'' विषय पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व्याख्यान दिया। डॉ चतुर्वेदी को उनके व्याख्यान के लिए पदक और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

डीएल, जोधपुर

रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर (डीएलजे) ने 28 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया। डॉ विजय सिंह चौधरी, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'सैन्य अनुप्रयोगों के लिए छद्मावरण योजनाओं' पर एक व्याख्यान दिया। डॉ अरविंद माथुर, निदेशक, एसीएमईआरआई ने मुख्य अतिथि के रूप में शोभा बढ़ाई और ''वैज्ञानिक समुदाय के लिए स्वास्थ्य संवर्धन'' विषय पर एक आमंत्रित वार्ता दी। निदेशक, डीएलजे ने अपने संबोधन में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विश्व स्तरीय अग्रणी बनने के लिए

विशिष्ट तकनीकों की पहचान करने और उन पर विकास गतिविधियों को शुरू करने की आवश्यकता पर बल दिया।

डीएमएसआरडीई, कानपुर

रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर ने 28 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। इस अवसर पर, डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई ने डीएमएसआरडीई परिवार को संबोधित किया और समाज के लिए विज्ञान के लाभों और वैज्ञानिक समुदाय द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस को एक उत्सव के रूप में मनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रो0 विनय कुमार पाठक, माननीय कुलपति, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू), कानपुर, मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने वैदिक गणित पर अपने शोध अनुभव के बारे में चर्चा की।

डॉ बबलू मोर्डिना, वैज्ञानिक 'ई' ने 'उच्च प्रदर्शन सुपरकैपेसिटर सामग्री' पर एक व्याख्यान दिया। उन्होंने ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोगों के लिए सुपरकैपेसिटर के उपयोग के बारे में भी बात की। निदेशक, डीएमएसआरडीई ने वक्ता को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किया।

डीआरएल, तेजपुर

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर प्रो0 (डॉ) करुणा हजारिका, प्राचार्य–मुख्य अधीक्षक टीएमसीएच, तेजपुर, मुख्य अतिथि थीं। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ देव व्रत कंबोज, निदेशक, डीआरएएल के स्वागत संबोधन से हुई। डॉ वनलालहमुआका द्वारा एक व्याख्यान दिया गया। उन्होंने क्षैतिज पर्यावरणीय आनुवंशिक परिवर्तन कारक (एचईजीएए) प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं और दोहरे (मानव कल्याण के साथ–साथ नापाक) उद्देश्यों में इसके अनुप्रयोगों पर विचार–विमर्श किया। डॉ वनलालहमुआका को प्रशस्ति प्रमाण पत्र और पदक से सम्मानित किया गया।

आईआरडीई, देहरादून

यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई), देहरादून ने 28 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। श्रीमती रूमा ढाका, वैज्ञानिक 'जी' और कार्यवाहक निदेशक, आईआरडीई ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), रूड़की के प्रोफेसर रमेश चंद्र थे। उन्होंने 'सेंसर और उपकरणों के लिए द्वि–आयामी सामग्रियों में हेरफेर: वर्तमान रुझानों का एक अवलोकन'' विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया।

डॉ एनआर दास, वैज्ञानिक 'जी', आईआरडीई ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर ''रासायनिक और जैविक एजेंटों/अणुओं के दूरस्थ संसूचन के लिए सक्रिय और निष्क्रिय स्पेक्ट्रोस्कोपी तकनीक'' विषय पर व्याख्यान दिया।

एलआरडीई, बेंगलुरु

इलेक्ट्रोनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई), बेंगलुरु ने 28 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। डॉ प्रह्लाद रामाराव, प्राफेसर – चांसलर, एस–वीवाईएसए, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। डॉ राव और श्री गमपाला विश्वम, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एलआरडीई ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का उद्घाटन किया। श्रीमती सुषमा बीआर, वैज्ञानिक 'ई' ने ''अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए राडार ट्रांसमीटरों का विकास'' विषय पर विज्ञान दिवस व्याख्यान दिया। गणमान्य व्यक्तियों ने वक्ता को पदक और प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

निदेशक, एलआरडीई ने भी सभा को संबोधित किया, जिसके बाद डॉ राव का संबोधन हुआ।

एमटीडीआरसी, बेंगलुरु

सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु ने 28 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। कार्यक्रम के वक्ता श्री सुधीर कुमार, वैज्ञानिक 'ई' थे। उनके प्रस्तुतीकरण का विषय 'लेजर और लेजर आधारित डीईडब्ल्यू का अनुप्रयोग' था। श्री सुधीर को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व्याख्यान प्रमाण पत्र और सिलिकॉन पदक से सम्मानित किया गया।

एनएमआरएल, अंबरनाथ

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ में 28 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस को बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। श्री पीटी रोजत्कर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल ने सभा को संबोधित किया। श्री प्रवीण श्रीनिवासन, वैज्ञानिक–'ई' को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2024 सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर के दौरान 'नौसेना प्लेटफार्मों के संरचनात्मक कंपन को कम करने के लिए मल्टीलेयर वाइब्रेशन डंपिंग कोटिंग' विषय पर एक व्याख्यान दिया गया। यह व्याख्यान श्रोताओं द्वारा काफी पसंद किया गया और सराहा गया।

एनपीओएल, कोच्चि

नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने 28 फरवरी 2024 को रमन प्रभाव की खोज के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस को उत्साह के साथ मनाया। डॉ केके विजयन, पूर्व निदेशक, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ ब्रैकिश वॉटर एक्वाकल्चर, आईसीएआर, चेन्नई, इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। डॉ ए राघवन राव, वैज्ञानिक 'जी' और मानव संसाधन विकास परिषद के उपाध्यक्ष, ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और डॉ श्रीहरी सीवी, वैज्ञानिक 'एफ' द्वारा प्रस्तुत ''अंतर्जलीय ध्वनिक अनुप्रयोगों के लिए फाइबर ऑप्टिक संवेदन में प्रगति'' विषय पर कैप्टिविटी डे व्याख्यान के लिए मंच तैयार किया।

मुख्य अतिथि द्वारा ''ब्लू इकोनॉमी के संदर्भ में जलीय कृषि के चालक के रूप में जैव–प्रौद्योगिकी'' पर दिए गए मुख्य भाषण ने इस अवसर को और समृद्ध बना दिया। डॉ अजित कुमार के, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनपीओएल, ने वक्ता को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने 28 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। डॉ किशोर कुमार कटकानी, वैज्ञानिक 'एफ' ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्वी नौसेना कमान, विशाखापत्तनम के नॉन–मैनेजमेंट, चीफ स्टाफ ऑफिसर (टेक्नोलॉजी), रियर एडमिरल नेल्सन डिसूजा थे। उन्होंने वैज्ञानिकों को उन्नत समुद्री प्रणालियों को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। डॉ अब्राहम वर्गीस, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएसटीएल ने भी एनएसटीएल परिवार को संबोधित किया। श्री नबज्योति शर्मा, वैज्ञानिक 'ई' ने 'रोटेटिंग मशीन दोषों के लिए एक एआई–दोष निदान प्रणाली' विषय पर व्याख्यान दिया।

स्थापना दिवस समारोह

आईआरडीई, देहरादून

यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई), देहरादून ने 16 फरवरी 2024 को अपना 64वां स्थापना दिवस मनाया। डॉ अजय कुमार ओएस एवं निदेशक, आईआरडीई ने वर्ष 2023 के दौरान परियोजनाओं को पूरा करने के लिए आईआरडीई के सभी कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया और उनकी सराहना की। डॉ अजय कुमार ने आईआरडीई की वार्षिक हिंदी पत्रिका 'संकल्प' और 'संकल्प' तकनीकी पत्रिका का विमोचन भी किया।

स्थापना दिवस समारोह के हिस्से के रूप में वार्षिक खेल दिवस भी मनाया गया।कार्यक्रम का उद्‌घाटन 29 जनवरी 2024 को डॉ बीके दास, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (ईसीएस) द्वारा किया गया। विभिन्न ट्रैक और फील्ड इवेंट्स के साथ बैडमिंटन, कैरम, शतरंज, क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी, टेबल टेनिस और वॉलीबॉल जैसे विभिन्न खेल आयोजित किए गए। आईआरडीई परिवार के सभी सदस्यों ने इन खेल आयोजनों में पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। निदेशक द्वारा इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं और उपविजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

आईटीएम, मसूरी

प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान (आईटीएम), मसूरी ने 23 फरवरी 2024 को अपना 62वां स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम का उद्‌घाटन मुख्य अतिथि डॉ एसएस नेगी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं पूर्व निदेशक, आईआरडीई और आईटीएम और श्री एसए कट्टी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आईटीएम द्वारा किया गया। अपने संबोधन के दौरान, मुख्य अतिथि ने सभी कर्मचारियों को स्थापना दिवस समारोह के लिए बधाई दी और राष्ट्र निर्माण में आईटीएम के महत्व को रेखांकित किया।

कार्यक्रम के दौरान, श्री विनय कपूर, तकनीकी अधिकारी 'सी', को डीआरडीओ में 25 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर सम्मानित किया गया। साथ ही कर्मचारियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। फोटोग्राफी प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए और खेल पुरस्कार वितरित किए गए। समारोह के दौरान एक स्थानीय हिंदी पत्रिका 'सृजन' का भी विमोचन किया गया। अपने संबोधन में, निदेशक आईटीएम ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आईटीएम ने पिछले वर्ष के दौरान 835 प्रतिभागियों के लिए 22 पाठ्यक्रम आयोजित किए और टीम आईटीएम के योगदान के लिए उन्हें बधाई दी। ग्रुप कैप्टन आर के मंशारमानी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह समारोह

सीवीआरडीई, चेन्नई

53वें राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 2024 समारोह के एक भाग के रूप में, चेन्नई, सीवीआरडीई में 06 मार्च 2024 को डॉ नितिन श्रीनिवास गेडम, सहायक निदेशक (औद्योगिक स्वच्छता), डीजीएफएएसएलआई द्वारा 'सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण' विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया। डॉ ललित आर गभाने, महानिदेशक–राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने 'ईएसजी उत्कृष्टता के लिए सुरक्षा नेतृत्व पर फोकस' विषय पर अपना प्रस्तुतीकरण दिया। श्री देवेन्द्र गिल, ईडी सुरक्षा, डीएमआरसी लिमिटेड ने भी 'शहरी क्षेत्रों में निर्माण परियोजनाओं को चलाने की सुरक्षा चुनौतियों' पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। अग्निशमन उपकरणों (मॉक फायर/डिजास्टर ड्रिल) के साथ एक लाइव प्रदर्शन आयोजित किया गया और अप्रत्याशित परिस्थिति के दौरान अपनाई जाने वाली सुरक्षा विधियों को बताया गया। श्री जे राजेश कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, सीवीआरडीई ने सभा को संबोधित किया।

डेबेल, बेंगलुरु

कर्मचारियों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए रक्षा जैव प्रौद्योगिकी और विद्युत चिकित्सकीय प्रयोगशाला (डेबेल), बेंगलुरु में 4 से 10 मार्च 2024 के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। पूरे सप्ताह के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए गए, जैसे–सर्वोत्तम सुरक्षा प्रथाओं और संबंधित डीआरडीओ सुरक्षा नीतियों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए सुरक्षा पहलुओं पर प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन और सुरक्षा स्लोगन लेखन प्रतियोगिता। श्री सत्यसीलन, वैज्ञानिक 'ई' और श्री जयकुमार, केके, तकनीकी अधिकारी 'सी' द्वारा पोर्टेबल अग्निशामकों के संचालन पर एक व्यावहारिक प्रदर्शन आयोजित किया गया। समापन दिवस पर सभी कर्मचारियों द्वारा 'सुरक्षा शपथ' ली गई, उसके बाद श्री सरस चंद्र कुलकर्णी, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, गुणवत्ता आश्वासन/गुणवत्ता नियंत्रण, एलएंडटी–डिफेंस, बेंगलुरु द्वारा 'औद्योगिक सुरक्षा' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया गया। डॉ टीएम कोटरेश, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डेबेल ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बहु–विषयक गतिविधियों को करने में सुरक्षा प्रथाओं के साथ–साथ अनुशासित कार्य दृष्टिकोण के महत्व पर बल दिया। डेबेल के कर्मचारियों ने सभी कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। निदेशक, डेबेल और डॉ अलका चटर्जी, सह निदेशक, डेबेल ने विजेताओं और उपविजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

डीएल, जोधपुर

रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर (डीएलजे) ने 4–10 मार्च 2024 के दौरान अपने कार्यस्थल पर काम करने वाले कर्मचारियों के बीच सुरक्षा जागरूकता को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 2024 का आयोजन किया। श्री आरवी हाराप्रसाद, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएलजे ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में अग्नि सुरक्षा प्रदर्शन/अभ्यास, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और प्राथमिक चिकित्सा जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। सुश्री शिल्पी शर्मा, वरिष्ठ पर्यावरण इंजीनियर एवं क्षेत्रीय अधिकारी, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सुरक्षा जागरूकता पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया।

डीजीआरई, चंडीगढ़

4 से10 मार्च 2024 के दौरान , रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई), चंडीगढ़ में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 2024 का आयोजन किया गया। लेफ्टिनेंट कर्नल वासुल शर्मा, सुरक्षा समूह प्रमुख और अग्निशमन अनुभाग, डीजीआरई ने विभिन्न प्रतियोगिताओं का समन्वय किया, जैसे कि नारा लेखन 'हाई एल्टीट्यूड एरिया में सुरक्षा पहलू', इस वर्ष की थीम 'पर्यावरण, सामाजिक और शासन उत्कृष्टता के लिए सुरक्षा नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित' पर पोस्टर बनाना। श्री पाली राम, स्टेशन ऑफिसर और श्री सुरजीत, डीजीआरई के अग्रणी फायरमैन द्वारा 'अग्नि सुरक्षा और अग्निशमन' पर व्याख्यान दिया गया। डीजीआरई के अग्निशमन कर्मियों ने निकासी अभ्यास और अग्निशमन

उपकरणों के प्रदर्शन के साथ आग की स्थिति का मॉक ड्रिल किया।

डीएलआरएल, हैदराबाद

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद ने 4–10 मार्च 2024 के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 2024 मनाया। इस कार्यक्रम के दौरान निबंध लेखन, सुरक्षा संबंधी नारे, पोस्टर प्रतियोगिताएं और सुरक्षा पर व्याख्यान आयोजित किए गए। समारोह के एक भाग के रूप में, उप मुख्य फैक्टरी निरीक्षक श्री एम श्रीनिवास राव को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। उनके 'औद्योगिक सुरक्षा' पर दिए गए व्याख्यान को दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया और प्रयोगशाला में अपनाई जाने वाले सुरक्षा उपायों पर ध्यान दिया गया। साथ ही, कामिनेनी अस्पताल, हैदराबाद के न्यूरोसर्जन डॉ एस रमेश, एमएस, एमसीएच द्वारा 'तंत्र विज्ञान में प्रगतिः मूल मस्तिष्क आघात से ब्रेन ट्यूमर तक' पर व्याख्यान दिया गया। सुरक्षा दिवस समारोह का समापन डीएलआरएल अग्निशामकों द्वारा क्लास ए, बी और सी आग को बुझाने के लाइव प्रदर्शन के साथ हुआ।

आईआरडीई, देहरादून

यंत्र अनुसंधान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई), देहरादून ने 04–10 मार्च 2024 के दौरान एनएसडब्ल्यू 2024 मनाया। श्री पुनित वशिष्ठ, वैज्ञानिक 'जी' और कार्यवाहक निदेशक, और डॉ सुधीर खरे, अपर निदेशक ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। श्री पवन कुमार, महाप्रबंधक और प्रभारी, अग्निशमन सेवाएं और एचएसई, ओएनजीसी देहरादून ने 6 मार्च 2024 को आईआरडीई कर्मचारियों को औद्योगिक और अग्नि खतरों और उनके शमन तकनीकों के बारे में जागरूक करने के लिए एक व्याख्यान दिया। साथ ही अग्नि सुरक्षा प्रदर्शन या ड्रिल भी आयोजित की गई।

एनएमआरएल, अम्बरनाथ

नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ में 04–10 मार्च 2024 के दौरान एसडब्ल्यू 2024 मनाया गया। कर्मचारियों को श्री पीटी रोजत्कर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल द्वारा सुरक्षा और स्वास्थ्य शपथ दिलाई गई। डॉ आदेश रवि, एमआई रूम द्वारा अग्नि पीड़ितों, रासायनिक जलन, कार्य से संबंधित चोटों, सांप के काटने से निपटने और प्राथमिक उपचार पद्धति पर एक व्याख्यान और प्रदर्शन आयोजित किया गया। श्री जी आनंद मुरुगन जी, वैज्ञानिक 'एफ' एवं जीएच (रेंज और एसईजी), एआरडीई, पुणे द्वारा 'सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली' पर एक व्याख्यान भी दिया गया। 'सुरक्षा का अनुपालन–सर्वोत्तम विभाग ट्रॉफी–2023' सुरक्षात्मक कोटिंग्स विभाग को प्रदान की गई।

एनपीओएल, कोच्ची

नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने संगठन में कर्मचारियों के बीच सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए 04–10 मार्च 2024 के दौरान एनएसडब्ल्यू 2024 मनाया। वरिष्ठ तकनीशियन श्रीमती जया वीपी द्वारा सुरक्षा ध्वज फहराया गया। इसके बाद श्री प्रिंस जोसेफ, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक (सिस्टम्स) द्वारा संचालित सुरक्षा दिवस प्रतिज्ञा ली गई। एनपीओएल के अग्निशमन विभाग द्वारा एक लाइव अग्निशमन प्रदर्शन और व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किया गया। श्री राजू आरपी, वैज्ञानिक 'ई' द्वारा एक सुरक्षा प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई, इसके बाद कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के एजीएम (सुरक्षा), श्री सलीन अम्मियांकारा द्वारा सुरक्षा जागरूकता पर एक वार्ता दी गई।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने 04–10 मार्च 2024 के दौरान एनएसडब्ल्यू 2024 का आयोजन किया। डॉ राम प्रसाद दुव्वाडा, जीएम, वाईजैग स्टील प्लांट और श्री डी लक्ष्मणा राव, उप पुलिस अधीक्षक, सीआईडी सम्मानित अतिथि थे और श्री केटीपी रुद्रप्पा, वरिष्ठ प्रबंधक (सुरक्षा), राउरकेला इस्पात संयंत्र, अतिथि वक्ता थे। डॉ अब्राहम वर्गीज़, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक ने अपने संबोधन में कार्यस्थल पर सुरक्षा के महत्व पर बल दिया और प्रयोगशाला में सुरक्षा पहलुओं को मजबूत करने के लिए की गई विभिन्न पहलों का वर्णन किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

महिलाओं द्वारा की गई प्रगति को दर्शाने के लिए हर साल 08 मार्च को विश्व स्तर पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष,चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), चंडीगढ़ ने 14–15 मार्च 2024 के दौरान 'उसकी पहल के माध्यम से अनुसंधान आउटलुक को पूरा करना' (आरोही–2024) विषय के साथ डीआरडीओ महिला दिवस 2024 मनाया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिकों और 50 से अधिक डीआरडीओ संस्थानों के लगभग 250 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आरएंडडी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे और श्रीमति यू जया शांति, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर) विशिष्ट अतिथि थीं।

प्रख्यात वक्ताओं में श्रीमति निधि बंसल, अध्यक्ष महिला सेल, डीआरडीओ मुख्यालय; श्रीमति बैकिया लक्ष्मी एम, वैज्ञानिक 'एच', कैब्स, ने महिला सशक्तिकरण और महिलाओं की नेतृत्वकारी भूमिका पर बात की। उन्होंने डीआरडीओ यात्रा के अपने अनुभव भी साझा किये। श्रीमति एंजेलिना नलिनी मार्गरेट, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक (पीएम), कार्यालय महानिदेशक (ईसीएस), बेंगलुरु ने डीआरडीओ में अपनी भूमिका और उत्कृष्टता हासिल करने की यात्रा के बारे में बताया। श्रीमति सुनीता देवी जेना, वैज्ञानिक 'एच', डीआरडीएल, जिन्होंने गणतंत्र दिवस परेड–2024 के दौरान दल की कमांडर के रूप में डीआरडीओ झांकी का नेतृत्व किया, ने 'तरल ईंधन रैमजेट आधारित सामरिक मिसाइलों' पर एक जानकारीपूर्ण वार्ता दी। अन्य आमंत्रित वार्ताएँ श्री बलवीर कुमार, निदेशक, डीआईटी एवं सीएस, डीआरडीओ मुख्यालय द्वारा 'साइबर सुरक्षा जागरूकता' और डीओपी, डीआरडीओ मुख्यालय से श्रीमति निशि श्रीवास्तव द्वारा 'इनसाइट्स इनटू पोश

एक्ट 2013' पर थीं। बातचीत बहुत संवादात्मक थी और सभी प्रतिनिधियों द्वारा ऐसे विषयों को शामिल करने के लिए सराहना की गई जो आज के परिदृश्य में अत्यधिक प्रासंगिक हैं। आरोही–2024 ने स्मारिका के रूप में महत्वपूर्ण योगदानों को संकलित करने के लिए डीआरडीओ प्रयोगशालाओं से तकनीकी और गैर–तकनीकी पत्रों को आमंत्रित किया था। चयनित सर्वश्रेष्ठ शोधपत्रों को भी लेखकों द्वारा प्रस्तुत किया गया। दो दिवसीय कार्यशाला का समापन पैनल चर्चा के साथ हुआ, जिसका विषय था, 'महिलाओं को नेतृत्व की भूमिकाएँ लेने के लिए कैसे सशक्त बनाया जा सकता है?'

डीआरडीओ की निम्नलिखित प्रयोगशालाओं ने भी अपने–अपने स्थानों पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2024 मनाया:

सीवीआरडीई, चेन्नई

आईडब्लूडी 2024 के एक भाग के रूप में, संग्राम वाहन अनुसंधान तथा विकास संस्थापन (सीवीआरडीई), चेन्नई ने 24 फरवरी 2024 को सरकारी पॉलिटेक्निक, सेव्वापेट में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। श्री जे राजेश कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, सीवीआरडीई ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की और एक विशेष व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में विशेष व्याख्यान दिए गये। डॉ धनलक्ष्मी सतीशकुमार, वैज्ञानिक 'जी' एवं अपर निदेशक (पीएम एंड एचआर), डॉ के श्रीनिवासन, वैज्ञानिक 'जी' एवं अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन), श्री के अंबाझगन, वैज्ञानिक 'एफ' एवं आरपीआरओ ने छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

सीवीआरडीई की महिला प्रकोष्ठ और डब्ल्यूडब्ल्यूए द्वारा सीवीआरडीई उत्पादों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई। संवाद कार्यक्रम की शुरुआत श्रीमति जयप्रदा गणेश, वैज्ञानिक 'जी' एवं अपर निदेशक (आईटी) द्वारा महिला दिवस के बारे में एक संक्षिप्त टिप्पणी के साथ हुई और फिर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

डीजीआरई, चंडीगढ़

12 मार्च 2024 को रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई), चंडीगढ़ में आईडब्ल्यूडी 2024 मनाया गया। इस अवसर पर, डॉ अशोक कुमार, सह–निदेशक डीजीआरई ने संगठन में विभिन्न क्षमताओं में और साथ ही व्यक्तिगत मोर्चे पर महिलाओं की भूमिका को संबोधित किया। उन्होंने पहाड़ी भू–खतरों और आकलन अनुसंधान

गतिविधियों में डीजीआरई महिला कर्मचारियों के योगदान की सराहना की और डीजीआरई महिला कर्मचारियों को आगे आने और अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रो0 गीतांजलि जिंदल, एमबीबीएस, एमडी (पीडियाट्रिक्स), गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, चंडीगढ़ ने डीजीआरई परिवार को 'वी आर द वर्ल्ड' पर एक विशेष वार्ता दी, जिसमें उन्होंने एकल–पेशेवर जीवन के वर्तमान परिदृश्य में बाल स्वास्थ्य के लिए महिलाओं की सामूहिक भूमिका का वर्णन किया ताकि नवजात मृत्यु दर को कम किया जा सके।

एनएमआरएल, अम्बरनाथ

12 मार्च 2024 को नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ में आईडब्ल्यूडी 2024 मनाया गया। इस अवसर पर डॉ ज्योतिर्मयी मोहंती, एफआरएससी, एफएनएएससी, वैज्ञानिक अधिकारी 'एच', बीएआरसी, मुख्य अतिथि रहीं।

मुख्य अतिथि के अलावा डॉ मधुबाला

जोशी चिंचालकर, एमडी, सेठ जीएस मेडिकल कॉलेज और केईएम अस्पताल, मुंबई भी सम्मानित अतिथि थीं। उन्होंने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए अंटार्कटिका अभियान के एक साल के कार्यकाल के दौरान अपने जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए 'अमेजिंग अंटार्कटिका' विषय पर व्याख्यान दिया।

मुंबई के क्राव मागा ग्लोबल सिस्टम द्वारा एनएमआरएल की महिला कर्मचारियों के लिए एक स्व–रक्षा कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। इसके बाद, श्री पीटी रोजत्कर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल ने महिला सशक्तिकरण के महत्व पर प्रकाश डाला।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम में 12 मार्च 2024 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2024 मनाया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर की प्रो0 डॉ प्रिया अब्राहम थीं, जो पूर्व में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे की निदेशक भी रह चुकी हैं। इस अवसर पर अन्य विशिष्ट अतिथि थीं श्रीमती वाई लक्ष्मी, नौसेना प्रणाली और सामग्री समूह की अध्यक्ष, और श्रीमती इलिन दीना अब्राहम, एनएसटीएल एवं एमकेएम की अध्यक्ष। डॉ बी ममता, वैज्ञानिक 'एफ' ने स्वागत भाषण दिया और श्रीमती अब्राहम ने 'इंस्पायर इंक्लूजन' विषय पर व्याख्यान दिया।

एनएसटीएल में एक मॉडल प्रदर्शन एरीना

डॉ वाई श्रीनिवास राव, महानिदेशक (एनएसएंडएम) ने 28 फरवरी 2024 को नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम में एनएसटीएल ट्राइडेंट का उद्घाटन किया। ट्राइडेंट का लक्ष्य डीआरडीओ द्वारा विकसित विश्व स्तरीय उत्पादों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, जिसे छोटे पैमाने के मॉडलों के माध्यम से दिखाया जाएगा। साथ ही इसका उद्देश्य कर्मचारियों, छात्रों और आम जनता में देशभक्ति की भावना जगाना भी है।

डॉ अब्राहम वर्गीज़, निदेशक, एनएसटीएल ने श्री सी केदारनाथ, वैज्ञानिक 'जी' और श्री एस मधु किरण, वैज्ञानिक 'एफ' के नेतृत्व में कार्य को पूरा करने वाली पीटीडी निदेशालय के प्रयासों की सराहना की।

गरवी गुजरात-2024 में डीआरडीओ की भागीदारी

रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर (डीएलजे) ने 09–11 मार्च 2024 के दौरान गुजरात में 'गरवी गुजरात 2024' प्रदर्शनी में डीआरडीओ का प्रतिनिधित्व किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय मत्स्यपालन कैबिनेट मंत्री श्री पुरूषोत्तम रूपाला ने माननीय राज्यसभा सदस्य श्री रामभाई मोकारिया और माननीय लोकसभा सदस्य श्री मोहनभाई कुंडारिया की शुभ उपस्थिति में किया।

प्रदर्शनी के दौरान डीएलजे ने प्रदर्शनियों और प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया। डीआरडीओ डिस्प्ले पवेलियन को विस्मयकारी प्रतिक्रिया मिली और उसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

विशाखापत्तनम में मिलन तकनीकी प्रदर्शनी

मिलन तकनीकी प्रदर्शनी (मटीईएक्स–2024) का आयोजन संयुक्त रूप से भारतीय नौसेना और एफआईसीसीआई द्वारा 20–23 फरवरी 2024 के दौरान नौसेना डॉकयार्ड, विशाखापत्तनम में किया गया। माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। भारतीय नौसेना के साथ–साथ 20 मित्र देशों की नौसेनाओं के प्रतिनिधियों ने प्रदर्शनी का दौरा किया। डीआरडीओ प्रयोगशालाएँ, जैसे, एनएसटीएल, एनएमआरएल, एनपीओएल, डीएमआरएल, और आर एंड डीई (ई), भारतीय नौसेना, रक्षा पीएसयू और निजी उद्योगों ने प्रदर्शनी के दौरान अपने उत्पादों और प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया। एनएमआरएल ने वायु स्वतंत्र प्रणोदन (एआईपी) प्रणाली, वेल्ड उपभोग्य सामग्री, सुरक्षात्मक लेप, आईसीसीपी प्रणाली, हानिकर एनोड, बीबीओ–उपचार, सुपरकैपेसिटर आदि जैसे उत्पादों का प्रदर्शन किया। डीआरडीओ मंडप को सेवा कर्मियों, उद्योगों और शिक्षा जगत से अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

महाराष्ट्र शाइनिंग-2024 में डीआरडीओ की भागीदारी

महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा फाल्टन, महाराष्ट्र में महाराष्ट्र शाइनिंग 2024 का आयोजन किया गया। वाहन अनुसंधान और विकास स्थापना (वीआरडीई), अहमदनगर को नोडल प्रयोगशाला के रूप में नियुक्त किया गया। आर एंड डीई (ई) और डीवाईएसएल–क्यूटी ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और कई प्रदर्शनों को शो–केस किया, जिनमें सुपरकंडक्टिंग क्वांटम कंप्यूटर (एसक्यूसी) के मॉडल, क्वांटम रैंडम संख्याएँ, मैकेनिकल माइन लेयर सेल्फ–प्रोपेल्ड, एमआरएसएएम आर्मी मोबाइल लॉन्चर सिस्टम, सर्वत्र ब्रिजिंग सिस्टम, सोनार डोम, व्हेप 8x8, व्हेप सीबीआरएन, सीबीआरएन आरवी टीआर मार्क–II, और सीबीआरएन मिनी यूजीवी का वास्तविक उत्पाद शामिल था। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री रणजीत सिंह नाईक निंबालकर (माननीय संसद सदस्य) द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली, तथा स्कूल और कॉलेज के बहुत से छात्रों ने प्रदर्शनी का दौरा किया। कार्यक्रम में डीआरडीओ को 'सर्वश्रेष्ठ स्टॉल पुरस्कार' मिला। यह पुरस्कार श्रीमती (अधिवक्ता) जीजामाला रणजीत सिंह नाईक निंबालकर द्वारा प्रदान किया गया।

डीजीआरई एमएमसी सासोमा द्वारा 14 कोर्प्स जोन को हिमस्खलन जागरूकता प्रशिक्षण

भारतीय हिमालय के सियाचिन क्षेत्र में परिचालन कर्तव्यों और प्रतिबद्धताओं पर सैनिकों की सुरक्षित गतिशीलता के लिए उनकी तैयारियों को बढ़ाने के लिए, डीजीआरई द्वारा 14 कोर्प्स जोन के सैनिकों के लिए हिमपात–मौसम संबंधी डेटा संग्रह और हिमस्खलन जागरूकता प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण अन्य रैंकों (14 संख्या) के लिए 06–09 फरवरी 2024 के दौरान और अधिकारियों (03 संख्या) के लिए 20–22 फरवरी 2024 के दौरान आयोजित किया गया। डीजीआरई के अधिकारियों लेफ्टिनेंट कर्नल सौरभ शर्मा, कैप्टन सुमित ओझा, विकास जुयाल, टीओ 'बी' और हवलदार अश्वनी कुमार परमार ने 14 कोर के जवानों को विभिन्न प्रकार की हिमपात और हिमस्खलन के बारे में अवगत कराया तथा उपकरणों और स्थापित एडब्लूएस से हिमपात–मौसम

संबंधी आंकड़ों के संग्रह और उसके प्रसारण का प्रशिक्षण भी दिया। उन्हें हिमस्खलन सुरक्षा–बचाव प्रक्रियाओं और हिमस्खलन–प्रवण हिमालयी क्षेत्र सियाचिन में परिचालन संबंधी मुद्दों के बारे में भी जानकारी दी गई।

खेती प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण

उच्च ऊंचाई वाले वातावरण की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के ग्रीनहाउस उपयोगकर्ताओं (20 संख्या में) को संरक्षित खेती तकनीक का प्रत्यक्ष ज्ञान प्रसारित किया गया। ये उपयोगकर्ता 190 और 40 माउंटेन ब्रिगेड के अंतर्गत विभिन्न सेना इकाईयों से थे। प्रशिक्षण का आयोजन रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर द्वारा 12 मार्च 2024 को पीएस परियोजना डीआरएल–101 के तहत किया गया। उपयोगकर्ताओं को पौष्टिक विदेशी सब्जियों के महत्व के साथ–साथ उनकी उत्पादन तकनीक, पौध उगाने से लेकर कटाई प्रबंधन तक, से अवगत कराया गया। ग्रीनहाउस के कुशल उपयोग के लिए, उपयोगकर्ताओं को प्रशिक्षण के दौरान अच्छी कृषि पद्धतियों के लाइव प्रदर्शन से गुजारा गया।

एडीई, बेंगलुरु में राजभाषा पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम

डीआरडीओ राजभाषा संवर्ग के सभी कनिष्ठ अनुवाद अधिकारियों (जेटीओ) के लिए 22–23 फरवरी 2024 को डीआरडीओ मुख्यालय और वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई), बेंगलुरु द्वारा संयुक्त रूप से राजभाषा पर एक अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्री वाई दिलीप, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एडीई द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ रवींद्र सिंह, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीपीए आरओ एंड एम थे। इस अवसर पर श्रीमती आशा गर्ग, वैज्ञानिक 'एच' एवं सह निदेशक (एडीई); और श्रीमती अनामिका मिश्रा, वैज्ञानिक 'एफ' भी उपस्थित थीं। मुख्य अतिथि ने अपने मुख्य व्याख्यान में इस कार्यक्रम के महत्व पर बल दिया। उनका उद्देश्य नए शामिल हुए प्रवेशकों को उनके कार्य की सही दिशा देना था। साथ ही, यह सुनिश्चित करना था कि डीआरडीओ जैसे तकनीकी संगठन में काम करते हुए, वे हिंदी में उपलब्ध तकनीकी उपकरणों और संसाधनों का कौशल हासिल करें क्योंकि वे अपनी प्रयोगशालाओं में केवल राजभाषा से संबंधित कार्यों के लिए उत्तरदायी होंगे। डॉ बलेंदु शर्मा दधीच, माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के निदेशक स्थानीयकरण और श्री राहुल देव, भाषाविद् को डीआरडीओ के बाहर से आमंत्रित वक्ता के रूप में बुलाया गया तथा कार्यक्रम के अन्य अतिथि वक्ता डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं से थे।

कार्यक्रम के सह–अध्यक्ष श्री अखिलेश कुमार झा, वैज्ञानिक 'एफ' ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। कार्यक्रम की संयोजक श्रीमती अरुण कमल, सहायक निदेशक (राजभाषा) और श्रीमती उमा एस जी, सहायक निदेशक (राजभाषा) थीं।

उच्च योग्यता अर्जन

श्री जावेद कुमार, वैज्ञानिक 'एफ', वायुवाहित प्रणाली केन्द्र (कैब्स) बेंगलुरु को उनके शोध–पत्र 'इन्वेस्टीगेशन ऑफ मल्टी–डायनामिक रडार सिस्टमः कांसेप्ट फॉर एयरबोर्न सर्वीलेंस एप्लीकेशन' के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी–गुवाहाटी द्वारा पीएचडी से सम्मानित किया गया।

श्री नृपेन बेसरा, वैज्ञानिक 'सी', नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि को उनके शोध–पत्र 'इन्वेस्टीगेशन ऑन द सिंथेसिस एंड एप्लीकेशन एस्पेक्ट्स ऑफ आर्गेनिक–इनोर्गेनिक मेटल हेलाइड पेरोव्स्काइट्स' के लिए जादवपुर विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग द्वारा पीएचडी से सम्मानित किया गया।

श्री बैजू एम नायर, वैज्ञानिक 'एफ', नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि को उनके शोध–पत्र 'प्रोसेसिंग मेथड्स फॉर लेफ्ट–राइट एम्बिगिटी रेजोल्यूशन इन ट्विन लाइन टोड ऐरे सोनार' के लिए सेंटर फॉर एप्लाइड रिसर्च इन इलेक्ट्रॉनिक्स (केयर), आईआईटी, दिल्ली द्वारा पीएचडी से सम्मानित किया गया।

पेटेंट

रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर

- भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा जसाराम, रापाका एस चंद्र बोस, प्रेम कुमार डीएस, विनीता श्योराण, प्रतिभा सहारण और पीएसएच वैष्णवी को 'थर्मोइलेक्ट्रिक नॉन–मैटेरियल प्रीपेरेसन एंड इम्प्लिमेंटेशन देयरऑफ' के लिए एक पेटेंट संख्या 483573 प्रदान की गई।
- भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा 'मैथड़ एंड अरेंजमेंट ऑफ मैन्यूफैक्चरिंग कन्फर्मल माइक्रोवेव एब्सोर्बिंग स्ट्रक्चर बेस्ड ऑन आर्टिफिशियल इलेक्ट्रोमैग्नेटिक (एईएम) पैटर्न्स' के लिए एक पेटेंट संख्या 478722 अनुज शुक्ला, स्मिता सोनी, अवनीश कुमार श्रीवास्तव, हनुमान कुम्हार, गौरव उपाध्याय, उमेश कुमार, रक्षा प्रयोगशाला जोधपुर; आई श्रीकांत (एएसएल); और टीसी सुब्बा रेड्डी (एडीए) को प्रदान किया गया।
- भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा रवींद्र कुमार, मानवेंद्र शर्मा, बोबिन मोंडल और दीपक गुप्ता को 'ए न्यू लेटेंट हीट–बेस्ड हीट एक्सचेंजर फॉर थर्मल मेनेजमेंट ऑफ साइक्लिकली ऑपरेटड हीट डिस्सीपेटिंग सिस्टम' के लिए एक पेटेंट नंबर 495578 प्रदान किया गया।
- भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा एसएल बोराना, एसके यादव और आरटी पातुरकर को ' मैथड़ एंड सिस्टम ऑफ टेरेन लैंड कवर क्लासीफिकेशन' के लिए एक पेटेंट संख्या 514474 प्रदान की गई।

एनपीओएल में योग्यता दिवस-2024

नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने शैक्षणिक वर्ष 2022–2023 की 12वीं कक्षा की सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले भवन वरुणा विद्यालय, कोच्चि के छात्रों को सम्मानित करने के लिए 28 फरवरी 2024 को एनपीओएल–वरुण मेरिट दिवस 2024 का आयोजन किया। भवन वरुण विद्यालय एनपीओएल–डीआरडीओ और भारतीय विद्या भवन का एक संयुक्त उद्यम है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आईसीएआर, सीआईबीए, चेन्नई के पूर्व निदेशक डॉ केके विजयन की उपस्थिति रही।

डॉ के अजित कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनपीओएल; श्रीमती केपी रेमादेवी, प्रिंसिपल, भवन वरुण विद्यालय; और श्री बीजू गोपाल, वैज्ञानिक 'जी' एवं अध्यक्ष, स्कूल प्रबंधन

समिति ने सभा को संबोधित किया, जबकि मुख्य अतिथि ने छात्रों को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र प्रदान किए।

डीआरडीओ सेंट्रल जोन क्रिकेट प्रतियोगिता

डीआरडीओ सेंट्रल जोन क्रिकेट प्रतियोगिता 2023–24 प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई), चांदीपुर में 05–09 फरवरी 2024 के दौरान आयोजित कि गई। प्रतियोगिता में कुल 10 टीमों ने भाग लिया, और मैच लीग–कम–नॉकआउट आधार पर खेले गए।

कार्यक्रम का उद्घाटन पीएक्सई के निदेशक श्री सुबोध कुमार नायक ने किया। अंतिम मैच डीआरडीएल और एएसएल के बीच खेला गया। समापन समारोह के दौरान श्री नायक ने पुरस्कार और ट्राफियां वितरित कीं।

एनएसटीएल में खेल परिसर का उद्घाटन

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम के आवासीय परिसर में 'स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और स्विमिंग पूल' का उद्घाटन किया। इसकी आधारशिला भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति श्री एम वेंकैया नायडू ने रखी थी। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में दो बैडमिंटन कोर्ट, एक टेनिस कोर्ट, एक व्यायामशाला और एक स्विमिंग पूल है। डॉ कामत ने खेल परिसर के डिजाइन और परियोजना के सफल क्रियान्वयन पर संतोष व्यक्त किया। अपने संबोधन में, उन्होंने उल्लेख किया कि खेल परिसर निवासियों को विभिन्न लाभ प्रदान करता है, जैसे कि बेहतर स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता, विभिन्न प्रकार के खेलों तक पहुंच, कम तनाव, सामाजिकीकरण के अवसर और उपलब्ध खेलों को आगे बढ़ाने की सुविधा।

श्री विजय कुमार गुप्ता, मुख्य अभियंता (आरएंडडी), सिकंदराबाद ने परियोजना के सफल समापन पर खुशी व्यक्त की।

डॉ वाई श्रीनिवास राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएस एंड एम); डॉ अब्राहम वर्गीस, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएसटीएल; डॉ मनु कोरुल्ला, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक सिविल वर्क्स एंड एस्टेट्स (डीसीडब्ल्यू एंड ई); डॉ एचएन दास, वैज्ञानिक 'जी' एवं अध्यक्ष कार्य समिति; श्री सीएच वी सत्या श्रीनिवास, वैज्ञानिक 'जी' एवं समूह निदेशक (कार्य एवं संपदा); सीसीई (आरएंडडी) साउथ के डॉ बी चौबे; सीसीई (आर एंड डी, एस्टेट) साउथ के डॉ अनिल खुराना; और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

डीआरडीओ प्रयोगशालाओं में आगंतुक

डेसीडॉक, दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के तीन प्रोफेसरों ने 105 छात्रों के साथ 20 फरवरी 2024 को रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली का दौरा किया। दौरे का उद्देश्य डेसीडॉक में उपलब्ध संसाधनों और संचालन की जानकारी प्राप्त करना था।

डॉ के नागेश्वर राव, निदेशक ने छात्रों और संकाय सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने सभा को संबोधित किया, और डीआरडीओ और एलआईएस क्षेत्रों में डेसीडॉक की भूमिका पर जोर दिया, और छात्रों को अपने भविष्य के विकास के लिए पुस्तकालयों पर आईटी में नवीनतम प्रगति को अपनाने की सलाह दी। यात्रा का समन्वयन श्री तपेश सिन्हा, वैज्ञानिक 'एफ' द्वारा किया गया।

डीजीआरई, चंडीगढ़

महानिरीक्षक (आईजी), उत्तरी सीमांत (एनएफ), आईटीबीपी, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, श्री अशोक तिवारी (आईपीएस) ने 23 फरवरी 2024 को डीजीआरई, चंडीगढ़ का दौरा किया। डॉ पीके सत्यावली उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीजीआरई ने आईजी (एनएफ) का स्वागत किया और भारतीय हिमालय के हिमस्खलन के खतरों की भविष्यवाणी करने और परिचालन कर्तव्यों पर बर्फीले इलाकों में तैनात सैनिकों के लिए इसके प्रसार के लिए डीजीआरई हिमस्खलन पूर्वानुमान मॉडल के बारे में जानकारी दी।

आईजी (एनएफ) तिवारी ने गहन बातचीत की और डीजीआरई टीम की सराहना की तथा संयुक्त डेटा संग्रह और डीजीआरई को सहायता प्रदान करने के तौर–तरीकों के बारे में बताया। इस यात्रा के परिणामस्वरूप, डीजीआरई ने आईटीबीपी के एओआर को नियमित हिमस्खलन बुलेटिन प्रस्तुत करने की पहल की।

डीएल, जोधपुर

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने 17 फरवरी 2024 को रक्षा प्रयोगशाला जोधपुर (डीएलजे) का दौरा किया। हाल के वर्षों में प्रयोगशाला द्वारा विकसित उत्पादों और प्रौद्योगिकियों का उनके सामने प्रदर्शन किया गया। डॉ कामत ने प्रयोगशाला में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति और भविष्य की योजनाओं की भी समीक्षा की। यात्रा के दौरान डॉ (श्रीमती) चंद्रिका कौशिक, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (पीसी एंड एसआई) भी उपस्थित थीं।

डीएमएसआरडीई, कानपुर

डॉ आर बालमुरलीकृष्णन, उत्कृष्ट

डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी आरएंडडी और अध्यक्ष डीआरडीओ, डीएल, जोधपुर के अपने दौरे के दौरान

डॉ आर बालमुरलीकृष्णन, ओएस एवं निदेशक, डीएमआरएल, हैदराबाद, डीएमएसआरडीई, कानपुर के अपने दौरे के दौरान

वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमआरएल, हैदराबाद ने 14 मार्च 2024 को रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर का दौरा किया। डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई ने एक ब्रीफिंग की, जिसके बाद चर्चा हुई और सिरेमिक और सिरेमिक मैट्रिक्स कंपोजिट, स्टील्थ एवं छद्मावरण सामग्री, नैनोमटेरियल, कोटिंग्स, पॉलिमर एवं रबड़, ईंधन एवं स्नेहक और व्यक्तिगत सुरक्षा प्रणालियों के क्षेत्र में डीएमएसआरडीई द्वारा विकसित उत्पादों और प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया।

एलआरडीई, बेंगलुरु

लेफ्टिनेंट जनरल सुमेर इवान डी'कुन्हा, एसएम, महानिदेशक सेना एडी, ने 07 मार्च 2024 को इलेक्ट्रॉनिक्स और रडार विकास स्थापना (एलआरडीई), बेंगलुरु का दौरा किया। श्री गमपाला विश्वम, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एलआरडीई ने एलआरडीई परियोजनाओं पर एक प्रस्तुति दी। वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ गणमान्य व्यक्ति ने रडार गैलरी का दौरा किया, जहां एलआरडीई रडार प्रदर्शित किए गए।

पीएक्सई, चांदीपुर

लेफ्टिनेंट जनरल एस हरिमोहन अय्यर, एवीएसएम, कमांडेंट स्कूल ऑफ आर्टिलरी, और सीनियर कर्नल कमांडेंट रेजिमेंट ऑफ आर्टिलरी, ने ब्रिगेडियर एपीएस चहल, कमांडर ट्रायल विंग स्कूल ऑफ आर्टिलरी के नेतृत्व में अपनी टीम के साथ 07–09 फरवरी 2024 के दौरान प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई), चांदीपुर का दौरा किया।

लेफ्टिनेंट जनरल और उनकी टीम ने विभिन्न फायरिंग पॉइंट और ब्लॉक हाउस का दौरा किया, जहां वे चल रहे सबूत और परीक्षण गतिविधियों को देख सकते थे।

टीम ने प्रयोगशाला में गोला बारूद तैयारी प्रयोगशाला, कंडीशनिंग चैंबर, एकीकृत तटीय निगरानी प्रणाली (आईसीएसएस), मौसम विज्ञान प्रयोगशाला और रिकवरी गोला बारूद अनुभाग सहित विभिन्न इकाइयों का भी दौरा किया।

उन्होंने सेवाओं के साथ–साथ पीएसयू, डीपीएसयू और शिक्षाविदों के लिए सभी हथियारों और गोला–बारूद के परीक्षण और प्रूफिंग के लिए पीएक्सई के उत्कृष्ट योगदान की सराहना की।

लेफ्टिनेंट जनरल सुमेर इवान डी'कुन्हा, एसएम, महानिदेशक सेना एडी, एलआरडीई, बेंगलुरु में

लेफ्टिनेंट जनरल एस हरिमोहन अय्यर, पीएक्सई, चांदीपुर में अपनी टीम के साथ

डेसीडॉक, मेटकाफ हाउस, दिल्ली–110 054 द्वारा प्रकाशित